B.M.A College Baheri, Darbhanga (L.N.M.U)

BA (Hons) part-I, पेपर-I

Date 2.07.20

Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of pol-sci

राज्य का उद्देश्य

राज्य के उद्देश्य के बारे में विभिन्न राजनीतिक विचारकों में मतैक्य नहीं है। विभिन्न विद्वानों ने राज्य के भिन्न-भिन्न उद्देश्य बतलाये हैं। यूनानी विद्वान राज्य का प्रमुख उद्देश्य आत्म-निर्भरता मानते थे। उनके अनुसार राज्य को उन सभी सुविधाओं का प्रबन्ध करना चाहिए जो व्यक्ति के विकास और सुख-शान्ति के लिए आवश्यक हो। प्लेटो का कहना है कि राज्य एक ऐसा संगठन है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक वर्ग के लिए निश्चित स्थान है जिन्हें पूरा करके ही उन्हें सुख प्राप्त हो सकता है। अरस्तू का मानना है कि राज्य का प्रमुख उद्देश्य लोगों में सद्गुणों का विकास करना तथा उन्हें आधिकाधिक सुख पहुँचाना है। हॉब्स के अनुसार राज्य का उद्देश्य व्यवस्था और सम्पत्ति का आधार कायम रखना है। प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक लॉक के अनुसार राज्य का उद्देश्य जीवन सम्पत्ति तथा स्वतन्त्रता की रक्षा करना है। रूसो का कहना है कि राज्य का उद्देश्य व्यक्ति के जीवन को सुखद बनाना है।

उपरोक्त राजनीतिक विचारों के अनुसार राज्य के उद्देश्य निम्नलिखित है

(1) सार्वजनिक सुख (2) व्यवस्था बनाये रखना (3) सामाजिक सेवा (4) प्रगति (5) न्याय